Notes By Akhilesh Kumar (GT Assist. Professor)
J K College Biraul Darbhanga
YouTube : A Commerce Education

Notes BY: AKHILESH KUMAR(Guest Teacher)

DEPARTMENT OF COMMERCE

JANTA KOSHI COLLEGE BIRAUL, DARBHANGA

For – LNMU B. Com part -1 , Subsidiary PAPER - I ,Business Economics and Environment

Unit-5 Factors pricing

Easy to Understand the concept

राष्ट्रीय आय (National Income)

❖राष्ट्रीय *आय का अर्थ (Meaning of National):*

सामान्यत: राष्ट्रीय *आय से आशय किसी देश में एक वर्ष में जिन वस्तुओ एवं सेवाओ का उत्पादन किया जाता है के मौद्रिक मूल्य से है*

दुसरे शब्दों में, एक वर्ष में जिन वस्तुओ एवं सेवाओ का उत्पादन किया जाता है के मौद्रिक *मूल्य से है |*

दुसरे शब्दों में, उत्पति के साधनों; यथा- भूमि, श्रम, पूजी, साहस एवं संगठन के द्वारा एक वर्ष में जो उत्पादन होता है के योग राष्ट्रीय *आय को इस प्रकार से परिभाषित किया जाता है की उत्पादन के सभी साधनों को एक वर्ष में जो पारिश्रमिक प्राप्त होता है के योग को* राष्ट्रीय *कहा जाता है*

राष्ट्रीय आय की परिभाषा (Definition of National Income)

प्रो. पीगू के अनुसार, "राष्ट्रीय लाभांश समाज की भौतिक या वस्तुगत आय का, वह भाग जिसको मुद्रा में मापा जा सके" |जिसमे विदेशों से प्राप्त आय भी सम्मिलित की जाती है|

प्रो. साइमन कुजनेटस के अनुसार, ***"किसी देश की उत्पादन व्यवस्था से एक वर्ष में प्रवाहित होकर अन्तिम उपभोक्ता के हाथों में पहुँचने वाली वस्तु एवं सेवाओ अथवा पुजीगत वस्तुओ के स्टाक में शुद्ध वर्धि को राष्ट्रीय आय कहते है"।***

❖ *राष्ट्रीय आय सम्बंधित धारणाएँ (Various Concepts Related To National Income)*

1. ***सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product-GDP)— किसी देश में वस्तुओ तथा सेवाओ का कुल उत्पादन का सवार्धिक माप सकल घरेलू उत्पादन है सकल घरेलू उत्पाद से आशय किसी देश में एक वर्ष में कुल उपभोग, कुल निवेश, सरकार द्वारा वस्तुओ एवं सेवाओ का क्रय तथा शुद्ध निर्यात के मौद्रिक मूल्य से है***

इसे निम्नांकित सूत्रों द्वारा व्यक्त कर सकते है–

कुल राष्ट्रीय उत्पाद = कुल घरेलू उत्पाद + निर्यात - आयत

GDP = Consumption + Investment + Government Expenditure(Total domestic product) + Exports – Imports

2. ***सकल राष्ट्रीय उत्पाद (Gross National Product-G.N.P)—***

सकल राष्ट्रीय उत्पाद से आशय "किसी अर्थव्यवस्था में एक वर्ष की अवधि में जितने भी अन्तिम वस्तुए एवं सेवाएं उत्पादित की जाती है, उन सभी के बाजार मूल्य के कुल योग को राष्ट्रीय उत्पाद कहते है " प्राय: सकल राष्ट्रीय उत्पाद की गणना दो विधियों से की जाती है, प्रथम बाजार मूल्य पर राष्ट्रीय उत्पाद / इसमें परोक्ष कर तथा सब्सिडी जैसे गैर-साधन भुगतान को शामिल किया जाता है द्वितीय साधन लागत पर राष्ट्रीय उत्पाद इसमें साधनों के हिस्से को दर्शाया जाता है जो की उनके पास आय के रूप में जाते है /

इसे सूत्रों के द्वारा व्यक्त कर सकते है–

साधन लागत पर GNP = बाजार मूल्य पर GNP – अप्रत्यक्ष कर + अनुदान या सब्सिडी

GNP = GDP + Net Income Inflow from Overseas – Net Income Outflow to Foreign Countries

3. ***शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (Net National Product or NNP)—***

उत्पादन की प्रक्रिया में मशीनों में घिसावट होती है तथा कुछ मशीन पुरानी पड़ जाने के कारण उन्हें बदलना पड़ता है ऐसी स्थिति में यदि कुल राष्ट्रीय उत्पाद में से मूल्य ह्रास या घिसावट को घटा दिया जाता है तो शेष बचता है उसे शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद कहा जाता है ,

इसे सूत्रों के द्वारा व्यक्त कर सकते है–

NNP MP = GNP – Depreciation (ह्रास)

4. ***राष्ट्रीय आय अथवा साधन लागत पर राष्ट्रीय आय***

(National income or National Income at factor cost)—

उत्पति के साधन अपनी आय का उपार्जन वस्तुओ एवं सेवाओ के उत्पादन के मध्यम से करते है किन्तु जब बाजार मूल्य पर शुद्ध उत्पादन या राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाया जाता है तो उसमें अप्रत्यक्ष कर की राशि भी सम्मिलित रहती है परन्तु जो आय उत्पति के साधनों को प्राप्त होती है उसमें सरकार द्वारा लगाये गये अप्रत्यक्ष कर भी शामिल नही होते फलत: साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाने के लिए बाजार मूल्य पर विशुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद में से अप्रत्यक्ष दरों की राशि घटा दी जाती है

इसे सूत्रों के द्वारा व्यक्त कर सकते है–

National Income FC = NNP-Indirect Taxes + Subsidies

5. वैयक्तिक आय (Personal Income or PI)— वैयक्तिक आय से आशय उस आय से है जो की व्यक्तियो अथवा परिवारों को एक वर्ष की अवधि में वास्तव में प्राप्त होती है सैद्धांतिक आधार पर वर्ष भर में जो राष्ट्रीय आय होती है वह उत्पति के साधनों द्वारा प्राप्त की गयी आय को योग होता है किन्तु

वास्तविकता यह है की अर्जित लाभ का कुछ भाग उत्पति के साधनों,व्यकित्यो अथवा परिवारों को मौद्रिक आय के रूप में प्राप्त नही होती है

❖ राष्ट्रीय आय की विशेषताएँ (Characteristics of Indian national income)—

- स्वतंत्रता के बाद भारत की राष्ट्रीय एवं प्रति व्यक्ति आय की मात्रा, संरचना एवं क्षेत्रीय योगदान में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ है पंचवर्षीय योजनाओं के दौरान किये गये प्रयासों से इसमें क्रमशः वर्धि हुई है भारतीय राष्ट्रीय एवं प्रति व्यक्ति आय की प्रमुख विशेषताएँ निम्न है:

i. राष्ट्रीय एवं प्रति व्यक्ति आय में धीमी वर्धि (Slow Growth in National and Per Capital Income)
ii. कृषि की प्रधानता (Pre-Dominance if Agriculture)
iii. राष्ट्रीय आय में सार्वजनिक क्षेत्र का योगदान (Contribution of Public Sector in National Income)
iv. राष्ट्रीय आय का असमान वितरण (Unequal Distribution of National)
v. क्षेत्रीय भिन्नता (Regional Disparities)
vi. राष्ट्रीय आय पर जनसंख्या का प्रभाव (Impact of Population on National Income)
vii. राष्ट्रीय आय का अधिकांश भाग खाद्य पदार्थों पर व्यय होता है (Extensively part of National Income Spend on Food Items)

Notes By Akhilesh Kumar (GT Assist. Professor)
J K College Biraul Darbhanga
YouTube : A Commerce Education

Easy to Understand the concept